खनिज लोहे का निर्यात

9841. **श्री चन्दूलाल चन्द्राकर** : क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या गत वर्ष की अपेक्षा इस वर्ष की खनिज लोहे का निर्यात बढ़ाना अभी निश्चित हो गया है ;

(ख) क्या इस वर्ष जो उर्वरक भारत आयात कर रहा है उसकी कीमत विश्व बाजार में बहुत बढ़ गई है और इस कारण भारत को भी अधिक रकम देनी होगी ;

(ग) क्या खनिज लोहे का निर्यात भारत ऊंची दर पर करने पर विचार कर रहा है ; और

(घ) यदि हां, तो तत्सम्बन्धी मुख्य बातें क्या हैं ?

वाणिज्य मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री ए० सी० जार्ज) : (क) और (ख) जी हां ।

(ग) और (घ) लौह अयस्क की निर्यात कीमतों में पर्याप्त वृद्धि की गई है जो ग्रेड तथा गन्तव्य स्थलों पर निर्भर करते हुए 16 प्रतिशत से 63 प्रतिशत तक है ।

Export of Explosives

9842. SHRI G. Y. KRISHNAN:

Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) whether there is any proposal under the consideration of Government to boost exports of explosives and announce a cash assistance scheme in respect of certain items; and

(b) if so, the main features thereof?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI A. C. GEORGE): (a) and (b). Government do not have any special proposal under consideration either to boost exports of explosives or for the grant of cash compensatory allowance. However, on individual commodities, after scrutiny of cost data, etc. the Government may grant cash compensatory allowance from time to time.

फ्रांस से औद्योगिक विकास के लिए ऋण

9843. **श्री हुकम चन्द कछवाय** : क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारत को फ्रांस से औद्योगिक विकास के लिए 1971–72, 1972–73 और 1973–74 में कितना कितना अनुदान और ऋण प्राप्त हुआ है ; और

(ख) उस पर अदा किए जाने वाले ब्याज की दर और भुगतान की सामान्य शर्तें क्या हैं ?

वित्त मंत्री (श्री यशवन्तराव चव्हाण) : (क) 'क' जिसमें 1971–72, 1972–73 और 1973–74 के दौरान फ्रांस से औद्योगिक विकास के लिए प्राप्त अनुदानों और ऋणों की रकमें दी गयी हैं। (**ग्रन्थालय में रखा गया।** देखिए संख्या एल० टी०—7037/74) ।

(ख) फ्रांस से प्राप्त सहायता में, भारतीय अर्थ-व्यवस्था के विकास के लिए सामान्य ऋण, परमाणु ऊर्जा और अन्तरिक्ष विज्ञान के विकास के लिए विशेष ऋण और ऋण पुर्निधारण संबंधी सहायता शामिल है पहले दो ऋणों के दो भाग हैं, फ्रांस के राजकोष से ऋण और फ्रांस के राष्ट्रीय बैंकों से ऋण । जैसा कि सभा पटल पर रखे गये विवरण 'ख' में बताया गया है, ब्याज की दरें तथा वापसी अदायगी की सामान्य शर्तें, भिन्न-भिन्न भागों तथा भिन्न-भिन्न प्रकार के ऋणों के मामलों में भिन्न भिन्न हैं। [**ग्रंथालय में रखा गया । देखिए संख्या** LT-7037/74]